

माँस्को की याद में

“प्रेषक : रोबिन चन्द्र अन्तर्वसना के सभी चाहने वालों को मेरा नमस्कार । कई दिनों से इस साईट पर आप लोगों की रचनाओं को पढ़ने के बाद आज मेरा दिल भी अपने कुछ राज बयां करना चाहता है । पहले मैं अपने बारे में कुछ बता दूँ । मेरा नाम रोबिन है और मैं बीस वर्ष का नौजवान [...] ...”

Story By: (chandra99)

Posted: बुधवार, मार्च 21st, 2007

Categories: [हिंदी सेक्स कहानियाँ](#)

Online version: [माँस्को की याद में](#)

माँस्को की याद में

प्रेषक : रोबिन चन्द्र

अन्तर्वासना के सभी चाहने वालों को मेरा नमस्कार। कई दिनों से इस साईट पर आप लोगों की रचनाओं को पढ़ने के बाद आज मेरा दिल भी अपने कुछ राज बयां करना चाहता है।

पहले मैं अपने बारे में कुछ बता दूँ। मेरा नाम रोबिन है और मैं बीस वर्ष का नौजवान हूँ। दिखने में मैं बिल्कुल सामान्य सा ही हूँ। भीड़ में पहचाना भी नहीं जा सकता। मैं इस समय भारत के एक विख्यात इंजिनियरिंग कॉलेज में तृतीय वर्ष का छात्र हूँ। पिछले साल परीक्षाओं के बाद मुझे रूस के माँस्को विश्वविद्यालय में ईटर्नशिप करने का मौका मिला। मन फूला नहीं समा रहा था, आखिरकार पहली बार विदेश जाने का मौका जो मिला था।

मैं मई के महीने में माँस्को पहुंचा था। हमारा यहाँ भारत में तो चिलचिलाती धूप थी पर वहाँ का मौसम बेहद सुहावना था। माँस्को छोड़कर वापस आने का मन नहीं करता था मेरा। माँस्को में उतरते के साथ ही मुझे इतनी सुंदरियों के दर्शन होने लगे थे। वहाँ लड़कियों में खूबसूरती की कमी नहीं थी, पर हाँ, कपड़ों की कमी जरूर थी। खैर अपने लिए तो यही अच्छा था। जिधर देखो उधर कोई न कोई बला देखने को मिलती थी। लगता था जैसे भगवान् ने सारी हसीनाओं को यहीं भेज दिया हो। बड़ी मुश्किल से अपने मन को संभाल पाता था मैं।

मुझे जिस प्रोजेक्ट पर काम करने को मिला उस पर माँस्को विश्वविद्यालय की ही एक और लड़की को भी काम करना था। लड़की क्या थी, किसी हूर से कम नहीं थी। नाम था उसका मारिया !मारिया तमारानोव !जितना हसीं नाम था, वो उससे भी अधिक हसीं थी। हम-



उम्र ही थी वो मेरी। पर विदेश में लोग जल्दी जवान होते हैं, पता नहीं क्यों ? बड़ी बड़ी आँखें, तीखी नाक, पतले गुलाबी होंठ, चांदी जैसे दमकते कमर तक लम्बे बाल, चेहरा बस ऐसा कि जो देख ले उसका दिन बन जाए बस। उसकी फिगर तो बिल्कुल 36-24-36 की थी। उरोजों को देखकर तो एक बार हाथ लगाने का मन करता ही था मेरा। कमर तो कमाल थी। जब वो अदा से बल खाकर चलती थी तो उसके भरे हुए नितम्बों को देखकर मेरा पसीना छुट जाता था। सच कहूँ तो मुझे उससे प्यार हो गया था।

क्योंकि हमारा काम साथ में था इसलिए हम जल्दी ही दोस्त बन गए। धीरे धीरे उसे मेरे प्यार का आभास भी होने लगा और हम आगे ही बढ़ते चले गए। मैं थोड़ा सीधा था इसलिए मैं कभी उससे अपनी शारीरिक इच्छाओं के बारे में नहीं बोलता था। पर पता नहीं लड़कियों को सब कैसे पता चल जाता है। इसी बीच उसने बताया कि वो कॉलेज से पहले मॉडेलिंग करना चाहती थी पर उसके पिता ने उसे पढ़ने को कहा और वो यहाँ चली आई। माँस्को में वो भी अकेली ही रहती थी पर उसकी यहाँ कुछ सहेलियाँ भी थीं।

मैं भले ही कुछ नहीं बोलता था पर मन में इच्छा तो थी ही। मैं अभी तक कंवारा ही था, इसलिए जिज्ञासा और भी थी। कभी कभी तो उसकी मदमस्त कर देने वाली जवानी का स्पर्श पाकर मैं बिल्कुल बेकाबू ही हो जाता था।

एक दिन रविवार को उसने मेरे साथ घूमने की योजना बनाई। उसने फ़ोन करके मुझे सुबह 11 बजे बुलाया था। उससे पहले वाली रात तो मैं खुशी के मारे सो ही नहीं पाया कि मैं उसके साथ डेट पर जा रहा हूँ।

रविवार को सुबह जब मैं उसके फ्लैट पर पहुंचा तो वो बोली कि अभी उसे नहाना था। मैं बैठा रहा।

थोड़ी देर बाद उसने मुझे अपने ड्रेसिंग रूम से आवाज़ दी, "रोबीन, प्लीज़ हेल्प मी आउट !"



मैं अन्दर गया तो सामने का नज़ारा देख कर तो मेरे दिल ने धड़कना बंद कर दिया। वो सामने बस काले अंडरवीयर-ब्रा में खड़ी थी। मैं दरवाज़े पर ही ठिठक गया और जी भर के उसके हुस्न का मुजायरा करने लगा। किसी हसीं लड़की को पहली बार इस हालत में देखा था। उसके अर्धनग्न उरोज जैसे बाहर ही निकलना चाहते हों ! उसकी गहरी नाभि जैसे मुझे आमंत्रण दे रही हो ! उसकी लम्बी, चिकनी, गोरी टांगें जैसे स्वर्ग की सीढ़ियाँ हों। मैं उसकी गहराइयों में उसी पल खो जाना चाहता था।

मुझे गौर से देखते हुए देखकर उसकर होंठों पे कातिलाना मुस्कान उभर आई। वो मेरे करीब आई, मुझे दरवाज़े से टिकाया और बोली, “वुड यू हेल्प मी हूक माय ब्रा ?”

हाथ अपने आप उठ गए और उसके मखमली जिस्म को स्पर्श करने लगे। मेरी उंगलियाँ उसके नग्न पीठ पर फिसलने लगीं। मैंने उसे जरा अपने पास खींचा तो उसके स्तन मेरी छाती से चिपट गए। उसके मुँह से एक ठंडी आह निकली, जैसे कि वो भी उतनी ही प्यासी हो जितना मैं था। पर अगले ही पल उसने मुझे जरा तेवर से देखा और मैंने जल्दी से काम तमाम करके उसको अपनी आगोश से आज़ाद कर दिया। वो दो कदम पीछे हटी और अपना मुँह फेर लिया। मुझे लगा कि वो गुस्सा हो गई है और मैं उसे मनाने की सोचने लगा। पर सामने के आईने ने उसका राज़ खोल दिया। मैंने देखा कि उसके होंठों पे शरारत भरी हंसी तैर रही है।

अचानक वो मुड़ी और तेज़ी से बोली, “नाउ, गेट आउट फ्रॉम हियर, कांट यू सी, आई एम चेंजिंग ?”

मैं बिना कुछ बोले बाहर निकल आया। बाहर निकला तो देखा कि मेरा लिंग पूरा कड़ा हो गया था। शायद यही देखकर मारिया मुस्करा रही थी। अब मुझे पता चला कि यह तो मेरा इन्तहान था, अब मेरी कामनापूर्ति जल्द ही होने वाली थी। पर अभी इस लिंग महाशय का क्या करूँ ? इसे तो बैठाना ही था। इतने में मारिया भी वैसे ही बाहर आ गई। उसकी नजर



सीधे मेरे तने हुए लिंग पर गई। मुझे झिझक हुई पर वो अदाओं से चलती हुई मेरे पास आई और बोली, "शुड आई सी यू डाउन दयर?"

मैं तो जोश के मारे बस हाँ ही बोल पाया। वो इठलाती हुई बैठ गई और उसने मेरी पैन्ट की जिप खोली। पिंजरे से बाहर निकलते ही लिंग फनफना उठा। उसने मेरे मोटे लिंग को देखकर बस इतना कहा, "ओह, इट्स ह्यूज ! आई लव इट !"

इतना कहकर उसने मेरे लिंग पर ही अपने रसीले होठों से एक चुम्मा जड़ दिया। हाय, वो चुम्मा तो जैसे मेरी जान ले गया। 440 वोल्ट का झटका लगा जैसे मुझे। उसने मेरा पूरा पैन्ट नीचे कर दिया और लगी मेरे लिंग और अन्डकोशों को चाटने और चूमने। "आह ऊहूह ,आहूह आआआअ, ऊऊओ, आआहूहूहूह, आआहूहूहूह" मेरे से ज्यादा आवाजें तो वो कर रही थी। उसकी मधुर सीत्कारों से जैसे कमरा भर गया था। मेरा लिंग पूरे जोश में था। उसने पहले मेरे सुपारे को धीरे धीरे चाटा, फिर उसे अपने मुँह में लेकर पूरा ही चूसने लगी। उसके जीभ की लगातार रगड़ से मेरा सारा संयम छुटने लगा। प्री-कम की एक जबरदस्त धार मैंने उसके मुँह में ही निकाल दी। वो और मस्त होकर चूसने लगी मुझे। मेरा लिंग ८ इंच लम्बा और ४ इंच मोटा था। उसे भी लेकर चूसने में उसे कोई दिक्कत नहीं हो रही थी। उसने इशारे से मुझे साथ देने को कहा और मैं लगा धक्के मारने।

"अआहूह, ओह, उन्म्मम्म , आहूहूहूहूहूह बेबी, येस , येस ।।।ऊऊऊ" बस इन्हीं आवाजों से वो मेरे होश लिए जा रही थी। मैं जैसे उसका मुँह ही चोदने लगा था। इतना मजा आज तक मुठ मारने में नहीं आया था जितना मारिया ने एक पल में दे दिया था। मैंने मारिया के स्तनों को पकड़ लिया और उन्हें दबाने और मसलने लगा। ब्रा की कैद से आज़ाद कर मैं उसके चुचूकों को मरोड़ने और चूसने लगा। मारिया बड़ी तेज़ी से अपनी नाज़ुक उंगलियाँ मेरे लिंग पर फिराने लगी। मैं काबू से बाहर हो गया। मैं और तेज़ धक्के मारने लगा और अपने पूरा लिंग जड़ तक उसकी मुँह में डाल दिया। इतने पर भी मारिया बड़े



मजे से चूसे जा रही थी।

“आः, आः, आअ, आअ, आआअहूहूह, उम्मम्म, येस येअह बेबी, येअह, ऊऊऊऊऊऊऊऊऊओ, आः अआह” जैसे शब्दों ने मुझे पागल ही कर दिया था। करीब पंद्रह मिनट तक हम ऐसे ही चिपके रहे। मारिया के होंठों, जीभ और उँगलियों की करामत से मैं झड़ने तक पहुँच गया था। मैं अपना वीर्य उसके मुँह में नहीं निकलना चाहता था। पर अब खुद पर मेरा कोई वश नहीं था। मारिया ने मेरे लिंग तो ऐसे जकड़ा हुआ था की छुड़ाना मुश्किल था। आखिरकार मैंने अपने सारा मुठ उसके मुँह में ही उगल दिया। वो मजे से अपने उरोजों को उछालती हुई मेरे मुठ को पीने लगी। कुछ बूँदें उसके बड़े बड़े स्तनों पे भी गिरीं। मैंने उसके दोनों स्तनों को हाथ में लेकर एक बार फिर मसल दिया।

उसकी गर्म आहों ने सारा माहौल गर्म कर दिया था। अब मैं आराम से कुर्सी पर बैठ गया। पहले मुख मैथुन की खुशी को मैंने पूरा समा लेने दिया खुद में। इसी बीच मारिया खुद को साफ़ करके कपड़े पहन आई। मुझे देख कर एक नशीली मुस्कान के साथ बोली, “कम ऑन, लेट्स गो आउट नाँओ।”

बाहर बाज़ार-मॉल घूमने में अब मेरी दिलचस्पी नहीं रह गई थी। अब तो लग रहा था कि कब मारिया को अकेले में दबोच लूँ। हर पल जैसे पहाड़ बन गया था। उसने मूवी देखने का प्रस्ताव रखा, पर मेरी आँखों में भूख देखकर शायद वो भी गरम हो गई। उसने झट गाड़ी घुमाई और हम वापस उसके फ्लैट पर पहुँच गए। फ्लैट की सीढियां चढ़ते चढ़ते ही हम दोनों अर्ध-नग्न हो गए थे, इतना जोश था। दरवाज़ा खोलते ही मैंने उसे गोद में उठाया और सीधा बेड-रूम में ले जाकर बिस्तर पर पटक दिया।

उसने हवस भरी नज़रों से देखा मुझे। उसकी गुलाबी फ्रॉक को खोल फेंका तो पता चला कि उसने नई सफ़ेद रंग की ब्रा और गुलाबी रंग की थोंग-पैटी पहनी हुई थी। देख कर दिल बाग़ बाग़ हो गया। मैंने उसके शराबी होंठों को चूमा। उसने अपने जीभ मेरे मुँह के अन्दर



डाल दी और मैं उसके जीभ और होंठ चूसने लगा ।

वो अपनी कलाइयाँ मेरी छाती से होकर मेरे लिंग पर फिराने लगी । कुछ ही पलों में मेरा लंड आज़ाद होकर उसकी आगोश में झूमने लगा । वो हलके हाथों से मेरा मुठ मारने लगी । मैं एक हाथ से उसके स्तनों को दबाने और मसलने लगा और दूसरे हाथ की उंगलियाँ उसकी योनि पर फिराने लगा । वो पहले ही बहुत गीली हो चुकी थी । उसकी चूत से मधुर खुशबू आ रही थी । जैसे मुझे बुलावा दे रही हो अपनी चूत का । मैंने अपनी एक ऊँगली से उसकी पैंटी किनारे की और अब उसकी नंगी चूत पर उंगलियाँ चलने लगा । उसके होठों को छोड़कर मैं नीचे आने लगा । पहले उसकी भरी हुई चूचियाँ मैंने अपने मुँह में ली जिसका अरमान न जाने कब से पाल रहा था मैं दिल में । उसके चुचूकों पर दांत से काटा मैंने ।

एक मदमस्त आह से स्वागत हुआ मेरा । और अब मैं उसकी नाभि चाटने लगा । रुका मुझसे भी नहीं जाता था पर उसे तड़पाने में अलग ही मजा था । जब मैं उसकी चूत पर पहुंचा तो उसे देख कर तो मेरा रोम रोम खिल गया । मारिया की योनि इतनी सुन्दर और मन-मोहक होगी मैं नहीं जानता था । बिलकुल साफ़, बस छोटे छोटे सुनहरे बाल । उसकी चूत किसी गुलाब की पंखुड़ियों की तरह ही गुलाबी थी ।

रहा न गया और मैंने भी एक जबरदस्त चुम्मा उसकी चूत पर जड़ ही दिया । उसकी एक लम्बी सीत्कार ने मेरे जोश को दोगुना कर दिया । अब तो रहा नहीं जाता था । मैंने झट उसी चूत में अपनी दो उंगलियाँ डाल दी । उसे उँगलियों से ही जबरदस्त ढंग से चोदने लगा । उसने सीत्कारों, और कराहों की जैसे छड़ी लगा दी ।

” ओऊ या, उम्म्मम्मम्मम्मम्म, याआआआआआ, येस, येस, येस ” जैसे शब्दों से मेरे कान गूँज गए ।

मेरी कामेच्छा और बढ़ने लगी । मैंने उसकी टांगों को ऊपर किया और उसकी पतली सी



पैटी को निकाल कर अलग किया। उसकी गोरी संगमरमर जैसी जाँघों को चूमा और सहलाया। अब वो पूरी नग्न थी मेरे सामने।

मैंने उसकी चूत को चाटना शुरू किया, पहले धीरे धीरे, सिर्फ जीभ से उसके दाने को चूसा, फिर रहा न गया तो मैं अपनी जीभ से उसकी चूत को चोदने लगा। तेज़ी से उंगलियाँ और जीभ चला चला कर मैंने उसे पागल कर दिया।

” अआह। अआह, याहूहूह, फक मी बेबी, फक माय पुस्सी, फक इट। फक येअह, फक इट हार्ड, ऊऊ येअह, ये:ह “

वो पूरी तरह गरम हो गई थी। मारिया मेरी उँगलियाँ अपनी चूत से निकालकर चाटने लग गई, जैसे अपनी ही चूत का स्वाद चखना चाहती हो। फिर उसने अपनी गांड उछाल-उछाल कर मुझसे अपनी चूत चटवाना शुरू किया।

अब मुझसे भी रहा नहीं जाता था। उसकी चुदाई के ख्वाब न जाने कब से देख रहा था।

अब मैंने मारिया को गोद में उठाया और पलट कर बिस्तर पर उल्टा लिटा दिया। वो झट से कुतिया स्टाइल में आ गई। पीछे से खुली उसकी मस्त चूत और गांड देखकर लंड और कड़ा होने लगा। मैंने उसकी चूत के मुहाने पर अपने लंड लगाया और एक ही धक्के में अपने आधा लंड उसकी चूत में उतार दिया। मारिया कुंवारी नहीं थी पर अभी भी उसकी चूत बहुत टाईट थी।

उसकी चूत रस से बिल्कुल तर हो गई थी। अन्दर जाते ही वो बड़े ही जोश से मेरे लंड को चोदने लगी। हम दोनों मिलकर धक्के मारने लगे। जोश के मारे दोनों को कोई ख्याल नहीं था। दूसरे धक्के में तो मेरे सारा लंड उसकी चूत में जड़ तक बैठ गया। वो अपनी चूत से जैसे मेरे लंड को निचोड़ने लगी। हाय, इतनी टाईट चूत को चोदने में मजा इतना आता



था, बता नहीं सकता। आज भी याद करके एक बार मुठ मारना पड़ता है मुझे।

वो पूरे जोश में चुद रही थी। जैसे पूरा मुझे ही अन्दर ले लेना चाहती हो। मैंने झुक कर उसके रसीले होंठों का चुम्बन किया, और उसके लटके हुए गोल और मस्त स्तनों को दबाने लगा। धक्के पे धक्का लगते हुए हम दोनों हांफ रहे थे पर न मैं झड़ा था न वो।

“फक मी। फक मी, ऊऊऊ ये: , ऊऊ येस, फक मी रोबिन, फक मी हार्डर, फास्टर, फक मी प्लीज़, फक इट, फक, फक, येआहूहूह !” वो तो बस यही सुर लगाये हुए थी। अपने रेशमी बालों को झटका झटका का वो अपनी कमर को आगे पीछे फेंके जा रही थी। मेरा लंड उसकी कसी हुई चूत में जैसे अमृत पान कर रहा था। उसकी चूत इतनी कसी हुई थी कि अब तो मैं अपने कामरस को निकलने से रोक नहीं सकता था।

मैंने धक्के और तेज़ कर दिए। वो मेरे जोश का अंत जान कर खुद भी और तेज़ धक्के मारने लगी। अंत मैं हम दोनों साथ साथ झड़े।

मैंने अपने लंड को झड़ने से पहले ही उसकी चूत से निकाल लिया। वो मुड़ी और झट से मेरे लंड को पकड़कर अपनी हाथों से निचोड़ने लगी और फिर मुँह में लेकर उसने मेरा मुठ मार दिया।

आह ! लावा की तरह मेरा मुठ निकल पड़ा और उसके मुँह से निकलकर उसके स्तनों के ऊपर से बहता हुआ नीचे आ गिरा, उसने अंतिम बूँद तक चूसा मेरे लंड को। फिर हम अलग होकर गिर पड़े बिस्तर पे।

मुझे बड़ी गहरी नींद आई। जब मैं उठा तो देखा कि वो रसोई में है, वो कुछ बना रही थी। मैंने अपने कपड़े पहन लिए और उसके पास गया।

वो बोली, ” सो, हाउ डीड यू लाइक यौर फस्ट टाइम ?? ”



मैं उसे बस चूम सका और बोला, "आई वॉन्टेड टू लिव आल माय लाइफ विद यू, बट आई नो दैट इस नॉट पौसिबल ! सॉरी, बेबी !"

मेरा गला रुंध गया पर वो मुस्करा कर बोली, "इट वाज़ ओनली फॉर दीज मोमेंट्स दैट वी हैड मेट । इट्स ओके (शायद हम इन्हीं खास क्षणों के लिए मिले थे)" पता नहीं ये लड़कियां इतने भारी लम्हों में भी ऐसा कैसे बोल लेती हैं !

खैर, हमारा प्रोजेक्ट खत्म हुआ और मैं उसे छोड़कर वापस आ गया । आज भी वो मेरी यादों में जिन्दा है पर अब न मैं उससे मिलने की कोशिश करता हूँ न वो मुझे याद करती है ।

अगर आपको मेरी कहानी अच्छी लगे तो मेरे लिए दुआ कीजियेगा, शायद इसके बाद अब कोई कहानी मैं न भेज सकूँ ।



Other stories you may be interested in

पड़ोसन देसी गर्ल को अन्तर्वासना सेक्स स्टोरी पढ़वाई

मेरा नाम आदित्य है। मैं आगरा से हूँ। मेरे घर के पास एक लड़की रहती थी.. उसका नाम काजल है, मैं उसको रोज़ देखता था, कभी कभार उसे मिस काल भी करता था, मेरे पास उसका फ़ोन नम्बर था। एक [...]

[Full Story >>>](#)

मुमताज की मुकम्मल चुदाई-2

संजय सिंह जैसे ही वो दोनों गईं, मुमताज आकर मेरे से चिपक गई और मुझे चूमने लगी। मैंने उसको बोला- मुमताज, पहले दरवाजा तो बंद कर दो, नहीं तो कोई देख लेगा। वो गई और जल्दी से दरवाजा बंद किया [...]

[Full Story >>>](#)

जूही और आरोही की चूत की खुजली-22

पिंकी सेन हैलो दोस्तो, मज़ा आ रहा है न.. आरोही और जूही की चुदाई में.. आपकी राय के अनुसार ही मैंने बड़े आराम से चुदाई पेश की है और आगे के कुछ और भागों में भी यह चुदाई चालू रहेगी। [...]

[Full Story >>>](#)

मैडम एक्स और मैं-4

इमरान ओवैश स्नान-सम्भोग के पूर्ण होने के उपरान्त हमने कायदे से स्नान किया और बाहर आ गये। काफी थकान हो चुकी थी, सो कुछ पल के आराम के बाद हमने खाना खाया और टीवी देखने लगे। टीवी देखते देखते सर [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी चालू बीवी-16

इमरान और चारों ओर काफी परदे लगे थे... मैं दो पर्दों के बीच खुद को छिपाकर... नीचे को बैठ गया... अब कोई आसानी से मुझे नहीं देख सकता था... मैंने अंदर की ओर देखा... अंदर दो तीन जमीन पर गद्दे [...]

[Full Story >>>](#)





Other sites in IPE

[Kinara Lane](#)



A sex comic made especially for mobile from makers of Savita Bhabhi!

[IndianPornVideos.com](#)



Indian porn videos is India's biggest porn video tube site. Watch and download free streaming Indian porn videos here.

[Sex Chat Stories](#)



Daily updated audio sex stories.

[Indian Phone Sex](#)



Real desi phone sex, real desi girls, real sexy aunti, sexy malu, sex chat in all indian languages

[Tamil Kamaveri](#)



சூடு ஏத்தும் தமிழ் செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் லெஸ்பியன் கதைகள் , தமிழ் குடும்ப செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் ஆண் ஓரின சேர்க்கை கதைகள் , தமிழ் கள்ள காதல் செக்ஸ் கதைகள் , படிக்க எங்கள் தமிழ்காமவெறி தளத்தை விசிட் செய்யவும் . மேலும் நீங்கள் உங்கள் கதைகளை பதிவு செய்யலாம் மற்றும் செக்ஸ் சந்தேகம் சம்பந்தமான செய்திகளும் படிக்கலாம்

[Savitha Bhabhi](#)



Kirtu.com is the only website in the world with authentic and original adult Indian toons. It started with the very popular Savita Bhabhi who became a worldwide sensation in just a few short months. Visit the website and read the first 18 episodes of Savita Bhabhi for free.